उर्वरता महिलाओं के दिमाग को बढ़ाती है

महिलाओं के दिमाग की साइज़ उनके पूरे मासिक चक्र के दौरान लगातार बदलती रहती है। यहां तक कि अंडोत्सर्ग से कुछ समय पहले दिमाग के कुछ हिस्से तो 2 प्रतिशत तक बड़े हो जाते हैं। यही वह समय होता है जब कोई स्त्री सर्वाधिक प्रजनन-क्षम होती है।

ये निष्कर्ष ऑस्ट्रिया के साल्ज़बर्ग विश्वविद्यालय की बेलिंडा प्लेटज़र और उनके सहकर्मियों ने मासिक चक्र के विभिन्न चरणों में कुछ स्त्रियों के एमआरआई के आधार पर निकाले हैं। प्लेटज़र के दल ने पाया कि जो स्त्रियां गर्भ निरोधक गोलियों का सेवन नहीं कर रही थीं, उनमें दिमाग के उस हिस्से में वृद्धि हुई जिसका सम्बंध स्थान सम्बंधी समझ और चेहरों को पहचानने से होता है। शोध पत्रिका ब्रेन रिसर्च में अपने परिणाम प्रकाशित करते हुए प्लेटज़र ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि की वजह से महिलाओं में चेहरों, शरीरों और लैण्डस्केप्स को पहचानने की क्षमता बढ़ जाती है। वैसे उनका तो यह भी कहना है कि इससे उन्हें अपना साथी चुनने में भी मदद मिलती है।

वैसे शोधकर्ता दल ने यह भी पाया कि उपरोक्त असर अल्पजीवी ही रहता है। अंडोत्सर्ग के बाद जब प्रोजेस्टरोन हारमोन का उत्पादन बढ़ने लगता है, तो दिमाग के उन हिस्सों की साइज़ फिर से सिकुड़ जाती है। यानी महिलाओं को इसके चलते जो भी फायदा मिलता होगा वह भी अल्पजीवी ही रहता होगा।

टीम ने यह भी देखा कि गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कर रही महिलाओं में दिमाग के दो हिस्सों हिप्पोकैम्पस और सेरेबेलम की साइज़ अधिक होती है। ये हिस्से याददाश्त और गतियों से सम्बंधित हैं। इसके असर के बारे में प्लेटज़र बताती हैं कि इसकी वजह से सम्बंधित महिला की भाषा क्षमता और याददाश्त में सुधार आ सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***